



पिया गया परदेस -2

“जसप्रीत ने कहा- ठीक है, तो अब यहीं रुकेगा ना ?
मैंने कहा- नहीं, मैं किसी होटल में रह लूँगा । जसप्रीत
ने कहा- यह क्या बात हुई ? तू यहीं रहना । उसके
सास-ससुर ने भी कहा- हाँ-हाँ बेटा, यही रुक जाओ,
इतना बड़ा घर है, कोई दिक्कत नहीं होगी तुम्हें । मैंने
कहा- ठीक है । जसप्रीत ने मुझे [...] ...”

Story By: (harrybaweja_83)

Posted: Sunday, September 20th, 2009

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [पिया गया परदेस -2](#)

पिया गया परदेस -2

जसप्रीत ने कहा- ठीक है, तो अब यहीं रुकेगा ना ?

मैंने कहा- नहीं, मैं किसी होटल में रह लूँगा ।

जसप्रीत ने कहा- यह क्या बात हुई ? तू यहीं रहना ।

उसके सास-ससुर ने भी कहा- हाँ-हाँ बेटा, यही रुक जाओ, इतना बड़ा घर है, कोई दिक्कत नहीं होगी तुम्हें ।

मैंने कहा- ठीक है ।

जसप्रीत ने मुझे पानी और चाय पिलाई और बातें करने लगी मेरे से- घर में सब कैसे हैं ? और भी बहुत कुछ !

उसके सास-ससुर भी साथ में ही बैठे थे, कुछ देर बाद वो लोग चले गए अपने कमरे में !

जसप्रीत ने कहा- चलो, आपको भी आपका कमरा दिखा दूँ । मैं उसके पीछे पीछे ऊपर चला गया तीसरी मंजिल पर ! वो दूसरी मंजिल पर रहती थी और सास-ससुर नीचे के कमरे में सोते थे ।

रात होने लगी, जसप्रीत ने खाना लगाया और सब लोगों ने खाया, मैं अपने कमरे में चला गया । मैंने अपना दरवाजा बंद नहीं किया था, मुझे मालूम था कि वो आएगी और वो आई भी ।

लेकिन देर रात को ! मैं सो चुका था ।

वो अन्दर आ गई, मैं गहरी नींद में था ।

जसप्रीत ने अन्दर से दरवाजा बन्द कर लिया और आकर मुझे मेरे होंटों को चूमने लगी

और अपने दाँतों से मेरे होंटों को काटने लगी ।
मेरी नींद खुल गई, मैंने कहा- आ गई आप ?
जसप्रीत ने कहा- हां जान ! क्या करूँ ? इतने दिनों से तड़प रही हूँ !

जसप्रीत जल्दी जल्दी मेरे कपड़े उतारने लगी और मुझे चूमने लगी । उसने मेरा लोअर उतार फेंका और मेरी टीशर्ट भी !
और कहा- हैरी चलो अब मुझे भी नंगी करो !

मैं भी जसप्रीत के मोमे ऊपर से दबा रहा था जिससे वो गर्म हो रही थी । फिर मैंने उसका कमीज़ उतार दिया, वो नीचे कुछ नहीं पहने थी जिससे उसकी मोटी-मोटी चूचियाँ मेरे मुँह पर आकर हिलने लगी । उसकी चूचियों के चुचूक हल्के भूरे रंग के थे, मस्त थे ।
मैंने कहा- जसप्रीत, चूचियाँ तो बहुत सख्त हैं !

उसने कहा- बस तुम इन्हें चूसो और कुछ मत बोलो । आज मुझे जी भर के सुख दो ।
फिर मैंने कहा- अगर तुम्हारे सास-ससुर आ गए तो ?

जसप्रीत ने कहा- मैं ऊपर का दरवाजा बंद करके सोती हूँ अगर वो आएँगे भी तो पकड़े जाने का डर नहीं है । तुम अपना काम करो बस !
मैंने कहा- ठीक है जसप्रीत !

मैं जसप्रीत के मम्मे चूसता रहा वो मस्त-मादक आवाजें निकालती जा रही थी- हईईई
उईईए आ..आ.. अहा..आ.. और अपने दाँतों से अपने होंटों को काट रही थी ।
बहुत गर्म थी जसप्रीत !

मैंने जसप्रीत के नीचे हाथ लगाया और उसकी चूत को सहलाने लगा और कुछ देर बाद उसका नाड़ा खोल दिया, वो पूरी नंगी हो गई, दूधिया रोशनी में वो मस्त नागिन की तरह

लग रही थी।

उसकी चूत से हल्का हल्का पानी रिस रहा था।

मैं उसकी चूत को कभी सहलाता तो कभी उसमें उंगली डाल देता जिससे वो थोड़ा कसमसा उठती।

फिर जसप्रीत ने कहा- हैरी जल्दी करो, मुझसे रहा नहीं जाता ! एक तो इतने दिनों बाद चुदने का मौका मिला है और ऊपर से तुम तड़पा रहे हो !

मैंने जसप्रीत को कहा- अच्छा बाबा, चलो अब लेट जाओ !

जसप्रीत जल्दी से लेट गई अपनी टाँगे ऊपर कर के !

मैंने जसप्रीत की सुन्दर चूत, जिस पर हल्के बाल थे, को अपने जुबान से चाटने लगा जिससे वो और भी तड़पने लगी- उई..ईई..ए आह्हह्ह..ह्ह उफफफफ...फफफफ करके अपनी चूत मेरे मुँह पर मारने लगी जैसे वो लण्ड ही ले रही हो अपनी चूत में !

मैं भी चूत चाटने का माहिर जो था, मैंने इस ढंग से चूत चाटी कि वो थोड़े देर में ही पानी छोड़ने लगी। मैंने उसकी चूत को चाट कर साफ़ किया और फिर लेट गया। वो सुस्त हो गई थी।

फिर धीरे धीरे मैं जसप्रीत को चूमने लगा और उसके चुचूकों को चूसने लगा और मसलने लगा जिससे वो फिर गर्म होने लगी।

जसप्रीत ने कहा- मुझे भी आपका लण्ड चूसना है !

मैं तो नंगा ही था, जसप्रीत मेरे लण्ड के पास बैठ कर मेरा लण्ड चूसने लगी।

थोड़ी देर बाद मैंने कहा- जसप्रीत आओ, मैं भी तुम्हारी चूत चाटता हूँ, दोनों को मजा आएगा।

और अपना मुँह उसकी चूत की तरफ कर दिया, 69 की अवस्था में आकर मैं जोर जोर से उसकी चूत चाटने लगा। और जैसे जैसे मैं उसकी चूत चाटता, वैसे वैसे जसप्रीत भी जोश में आकर मेरे लण्ड को जोर जोर से चूसने लगती। उसे मजा आ रहा था और कभी कभी तो मेरे लण्ड को पूरा अपने हलक तक उतार लेती। मैं भी पूरे मजे से चूत चाट रहा था।

दस मिनट की चूत चटाई के बाद जसप्रीत कहने लगी- अब बस करो ! मेरा मुँह भी दुखने लगा है और चूत भी तंग कर रही है। अब इसको असली शांति दे दो हैरी !

मैंने जसप्रीत की दोनों टाँगों ऊपर उठाई और अपने लण्ड का सुपारा उसकी चूत के आस-पास घिसने लगा।

वो तड़पने लगी और बार बार मेरा लण्ड पकड़ कर अन्दर घुसाने लगती।

मैंने भी सोचा अब बहुत हो गया, मैंने जसप्रीत की चूत के अन्दर अपने लण्ड एक ही झटके में धकेल दिया।

उसके मुँह से निकला- हाय रबा ! मार दिता !

और मैं लण्ड अन्दर-बाहर करने लगा। अपनी जीभ से कभी उसके चुचूक को चाट लेता और कभी उसके होंटों पर चूम लेता।

वो भी पूरी गर्मी से मेरा साथ देने लगी, नीचे से अपनी कमर उठा उठा कर चुदने लगी। मैं पूरे जोर से उसकी चूत चोद रहा था, वो भी कम नहीं थी, नीचे से जोर जोर से अपनी चूत उठा कर मारती मेरे लण्ड पर और आईईईईए उईईईईईए उफफफफ हईई जैसी आवाजें निकाल कर चुद रही थी मजे से।

फिर हमने अपनी अवस्था बदल ली, मैं नीचे लेट गया और जसप्रीत मेरे लण्ड पर आकर बैठ गई और जोर जोर से उस पर कूदने लगी और आईईईईईए उईईईई च हईए उफफफ

उफफफफ ! और जोर से ! कहती हुई मेरे लण्ड को अपनी चूत में कभी घुसा रही थी तो कभी निकाल रही थी ।

मैं भी नीचे से कोई कसर नहीं छोड़ रहा था, जोर जोर से धक्के दे रहा था उसकी चूत पर । जैसे वो मेरे लण्ड पर कूद रही थी, उसके मोटे मोमे उछल रहे थे जिससे वो और भी हसीन लग रही थी ।

मैंने फिर जसप्रीत को घोड़ी बनने को कहा, उसकी चूत में अपना लण्ड दे मारा और जोर जोर से उसे चोदने लगा । वो भी कुतिया की तरह अपनी चूत जोर-जोर से लण्ड पर मार रही थी, बोल रही थी- और ! उईईईईई ! आईई हईईए ! जोर जोर से करो ! हैरी मजा आ रहा है !

कुछ देर बाद उसने कहा- हैरी, लगता है अब मैं फिर से झरने वाली हूँ । मेरे ऊपर लेट कर मुझे चोदो ! मुझे ऐसे मजा नहीं आएगा झरने में !

जसप्रीत फिर से लेट गई अपनी टांगें हवा में उठाए हुए !

मैंने भी अपना लण्ड फिर से उसकी चूत में घुसा कर दे दनादन चुदाई शुरु कर दी । अब तो मेरे भी काम होने को था, मैं जोर जोर से झटके दे रहा था उसकी चूत पर और वो भी जोर जोर से नीचे से अपनी चूत चुदवा रही थी ।

और फिर नीचे से झटके और भी जोर हो गए तो मैं समझ गया कि जसप्रीत का पानी गिरने वाला है, मैं भी जोर जोर से उसे चोदने लगा ।

जसप्रीत ने उईई आअईईईईए हाईईई सीईईई आईईए हईई होईईईईए सीईईईई करते हुए मुझे अपनी बाहों में जकड़ लिया और झरने लगी ।
और वो शांत हो गई ।

मैं भी अब आखरी कगार पर ही था, पर तब जसप्रीत को दर्द होने लगा, उसने कहा- हैरी, जल्दी करो, दर्द हो रहा है। मैंने कहा- बस मेरा भी हो ही गया !

और मैं आखिर के दस-बारह झटके देकर अपना पानी गिरा कर उसके साथ ही लेट गया।

घड़ी में वक्त देखा तो सवा तीन बज रहे थे। जसप्रीत ने कहा- मैं यहीं सो जाती हूँ, वैसे भी मेरे सास-ससुर सुबह उठ कर गुरुद्वारे जाते हैं, वे 6 बजे आते हैं।

पर थोड़ी ही देर बाद वो कहने लगी- हैरी, क्या तुम गाण्ड नहीं मारोगे ?

मैंने कहा- क्यों नहीं !

तो जसप्रीत ने कहा- फिर मारो ना ! सोच क्या रहे हो ? कल हो ना हो, आज मुझे पूरा खुश कर दो !

मैंने जसप्रीत को लिटा दिया और उसकी गाण्ड मारने लगा, वो आईई उईईईईई उफफफफफ करने लगी और मैं उसके दाने को रगड़ता रहा। वो शांत हो गई, मैं भी प्यार से अन्दर-बाहर करता हुआ उसकी गाण्ड में झर गया।

अब जसप्रीत पूरी तरह से संतुष्ट थी और बहुत खुश भी ! जसप्रीत ने कहा- धन्यवाद हैरी ! तुमने बहुत मजा दिया ! बोलो, अब मैं तुम्हें क्या दूँ ?

मैंने कहा- जो दिल करे, दे दो !

फिर वो अपने कमरे में गई और थोड़ी देर बाद आकर मुझे दो हजार रूपए दिए, कहा- ठीक हैं ना ?

मैंने कुछ नहीं कहा और बस मुस्कुरा दिया।

उसने मेरे गाल पर एक प्यारी पप्पी दी और अपने कमरे में जाते जाते कहा- अब जब बुलाऊँगी तो आओगे ना ?

मैंने हंस कर हाँ की- क्यों नहीं ! आपकी सेवा में बंदा हमेशा हाजिर हो जाएगा।

और फिर वो चली गई।

सुबह मैं भी आठ बजे उनके घर से चल दिया, आंटी-अंकल के पैर छुए और जसप्रीत को नमस्ते कहते हुए चल दिया।

जाते जाते जसप्रीत ने कहा- जब भी यहाँ आते हो, तो आ जाया करो यहीं पर !

आंटी अंकल ने भी कहा- हाँ बेटा !

मैंने कहा- ठीक है, देखो कब काम होता है ? जब होगा तो जरूर आऊँगा।

और मैं वहाँ से चल दिया।

कैसी लगी आपको यह घटना !

मुझे प्यार भरे मेल जरूर करियेगा !

इजाजत दीजिये, फिर कभी हाजिर होऊँगा आपकी खिदमत में कोई नई हसीन घटना लेकर

!

harrybaweja_83@rediffmail.com

2245

Other stories you may be interested in

गांव के देसी लंड ने निकाली चूत की गर्मी

मेरी पिछली कहानी थी भाभी के भैया को बना लिया सैया मेरा नाम रेखा है और मैं देखने में काफी सेक्सी लगती हूँ. मैं गांव में रहने वाली देसी लड़की हूँ इसलिए यहाँ पर जगह का नाम नहीं बता सकती. [...]

[Full Story >>>](#)

मेरा सच्चा दोस्त बाबा : एक गे स्टोरी

दोस्तो, आपका अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज पे स्वागत है. मैं दीपक आप सभी को प्रणाम करता हूँ. सबसे पहले मैं अपने बारे में आपको बता दूँ. मैं 5 फुट 4 इंच के कद का हूँ और मेरा लंड 6 इंच का [...]

[Full Story >>>](#)

टीचर की यौन वासना की तृप्ति-12

इस पोर्न स्टोरी में अब तक आपने पढ़ा कि मैं नम्रता को अपने घर की खिड़की से घोड़ी जैसी बना कर उसकी गांड में लंड पेल रहा था. अब आगे : नम्रता ने अपने हाथों को खिड़की से टिकाकर अपने जिस्म [...]

[Full Story >>>](#)

दोस्त की जुगाड़ भाभी की डबल चुदाई

मेरे प्यारे दोस्तो, कैसे हो आप सब ... मैं आपका दोस्त शिवराज एक बार फिर से एक सच्ची घटना लेकर आया हूँ. आप सबका जो प्यार मुझे मिला, वो ऐसे ही देते रहना. इस बार मैं आपको एक हसीन हादसा, [...]

[Full Story >>>](#)

टीचर की यौन वासना की तृप्ति-11

इस सेक्सी स्टोरी में अब तक आपने पढ़ा कि नम्रता मेरे साथ मेरे घर आ चुकी थी और हम दोनों मेरे घर के बेडरूम में चुदाई के पहले का खेल खेलने लगे थे. अब आगे : फिर मैंने उसके पैरों के [...]

[Full Story >>>](#)

